बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

Category I

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार **for Undergraduate Honours**

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

माध्यम क़ानून और आचार संहिता DSC 7 (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 7 माध्यम क़ानून और आचार संहिता	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. छात्रों को मीडिया संबंधी कानूनों से अवगत कराना।
2. छात्रों को संविधान में निहित सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति संवेदनशील बनाना।
3. छात्रों को मीडिया नियमन और भविष्य की चुनौतियों का अवलोकन कराना।
4. छात्रों में मीडिया की आचार संहिता और आत्म नियमन की समझ विकसित करना।

Learning Outcomes

1. भारतीय मीडिया के संवैधानिक आयामों की समझ विकसित होगी।
2. मीडिया के कानूनों और नियमों से परिचित होंगे।
3. मीडिया की आचार संहिता और आत्म नियमन की समझ विकसित होगी।
4. सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ स्वस्थ और ईमानदार पत्रकारिता हेतु दक्ष होंगे।

1. **प्रेस की स्वतंत्रता और संवैधानिक प्रावधान 10 घंटे**

- वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अनुच्छेद 19(1) (a), (19) (2)
- विविध प्रेस आयोग
- श्रमजीवी पत्रकार कानून (पालेकर, बछावत, मजीठिया और मणिसाना)

2. अधिनियम और कानून 10 घंटे

- प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867, बौद्धिक संपदा कानून - प्रतिलिप्याधिकार कानून 1957, पेटेंट कानून 1970
- शासकीय गोपनीयता अधिनियम 1923, सूचना का अधिकार 2005
- युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाशन कानून 1956, महिलाओं के अशिष्ट रुपण प्रतिषेध अधिनियम 1986

3. **मीडिया कानून और समाज 10 घंटे**

- भारतीय दंड संहिता 1860: मानहानि, राजद्रोह
- न्यायालय अवमानना अधिनियम अनुच्छेद 1971 (अनुच्छेद 361)
- संसदीय एवं विधान मंडल विशेषाधिकार

4. **इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया कानून 15 घंटे**

- सिनेमैटोग्राफी अधिनियम
- मीडिया के नए कानून 2021
- माध्यम आचार संहिता: अवधारणा और आवश्यकता, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की आचार संहिता, विज्ञापन संबंधी आचार संहिता

व्यावहारिक कार्य : 30 घंटे

- किसी एक न्यायिक प्रक्रिया का अवलोकन और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।
- संसदीय प्रक्रिया का अवलोकन और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।
- न्यायालय की तकनीकी शब्दावली तैयार करना।
- विभिन्न प्रेस कानूनों (उपरोक्त) से संबंधित केस स्टडी पर आधारित एक परियोजना कार्य।

संदर्भ पुस्तकें :

1. शासकीय गजट में प्रकाशित संबंधित अधिनियम
2. भारतीय दंड संहिता, प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित मूल अधिनियम
3. आपातकालीन पत्रकारिता की संघर्ष-गाथा, अरुण कुमार भगत, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली
4. प्रेस विधि, नंदकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. प्रेस कानून और पत्रकारिता, संजीव भानावत, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
6. प्रेस विधि एवं अभियुक्त स्वातंत्र्य, डॉ हरबंश दीक्षित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम, वेद प्रताप वैदिक, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
8. जनमाध्यम कानून एवं उत्तरदायित्व, श्रीकांत सिंह, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
9. बौद्धिक संपदा विधियां, ज्ञानवती धाकड़, सेंट्रल लॉ प्रकाशन

संपादन DSC 8 (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 8 संपादन	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. समाचार संपादन के महत्व, प्रक्रिया और प्रयोग से छात्रों को अवगत कराना।
2. समाचार संपादन में आवश्यक कारकों की जानकारी प्रदान करना।
3. विभिन्न माध्यमों के संपादन कार्य से परिचित कराना।
4. संपादकीय लेखन, प्रूफ संशोधन आदि का ज्ञान प्रदान करना।

Course Learning Outcomes

1. छात्र समाचार लेखन में संपादन कार्य के महत्व को समझ पायेंगे।
2. पेज मेकअप, ले आउट, डिजाइन आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. छात्र ऑनलाइन संपादन का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

1. संपादन **10 घंटे**

- संपादन अर्थ, उद्देश्य, प्रक्रिया और प्रमुख सिद्धान्त
- समाचार पत्र एवं पत्रिका संपादन
- रेडियो टीवी एवं ऑनलाइन समाचार संपादन

2. समाचार संपादन **10 घंटे**

- कॉपी संपादन, ऑनलाइन संपादन, पृष्ट समाचार संपादन
- ग्राफिक्स कार्टून और फ़ोटो चयन

- लेआउट, डिज़ाइन एवं पेज मेकअप

3. संपादन तकनीक **10 घंटे**

- संपादकीय पृष्ठ की संरचना और संपादकीय लिखना
- संपादकीय नीति और स्टाइल पुस्तिका
- संपादकीय चिह्न और पांडुलिपि संशोधन, प्रूफ संशोधन

4. विशेष लेख और संपादन **15 घंटे**

- संपादकीय विभाग का ढांचा
- संपादक एवं उपसंपादक के कार्य एवं योग्यताएं
- शीर्षक लेखन, टिप्पणी, विश्लेषण, समीक्षा, संपादन के नाम पत्र

5. व्यावहारिक कार्य : **30 घंटे**

- संपादकीय पृष्ठ हेतु लेखन की प्रस्तुति
- संपादकीय पृष्ठ का डमी निर्माण
- संपादकीय पृष्ठ का तुलनात्मक अध्ययन और उसकी प्रस्तुति
- प्रकाशन हेतु कॉपी तैयार करना

सहायक पुस्तकें :

1. पत्रकारिता : सर्जनात्मक लेखन और रचना-प्रक्रिया, अरुण कुमार भगत, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
2. ग्राफ़िक डिजाइन, नरेंद्र यादव, हरियाणा ग्रंथ अक़ादमी, पंचकुला
3. समाचार, फ़ीचर लेखन एवं संपादन कला, डॉ हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी की आधुनिक पत्रकारिता, अरुण कुमार भगत, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
5. सोशल नेटवर्किंगः नए समय का संवाद, डॉ संजय द्विवेदी, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली
6. संपादन कला, के पी नारायणन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अक़ादमी, भोपाल
7. समाचार-पत्र, मुद्रण और साज-सज्जा, श्यामसुंदर शर्मा, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अक़ादमी, भोपाल

रेडियो DSC 9 (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
रेडियो DSC 9	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

1. रेडियो का व्यावहारिक परिचय कराना।
2. रेडियो कार्यक्रमों द्वारा सांस्कृतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित कराना।
3. बदलते दौर में नए वैश्विक संदर्भ और कार्यक्रम प्रविधि तकनीक से अवगत कराना।
4. रेडियो कार्यक्रम, उपकरण, लेखन, रिपोर्टिंग संबंधी पहलुओं से अवगत कराना।

Course Learning Outcomes

1. रेडियो कार्यक्रम की समझ विकसित होगी।
2. श्रव्य माध्यम का महत्व समझेंगे।
3. रेडियो का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।
4. वैश्विक परिदृश्य और नई तकनीक की जानकारी होगी।

1. जन श्रव्य माध्यम रेडियो - सामान्य परिचय 10 घंटे

- भारतीय परिप्रेक्ष्य में रेडियो के प्रमुख बदलाव: 90 के दशक के बाद से आज तक
- रेडियो की विशेषताएं और संभावनाएं
- रेडियो के विविध रूप : एएम, एफएम, सामुदायिक रेडियो, पॉडकास्ट

2. रेडियो कार्यक्रम लेखन 10 घंटे

- समाचार कार्यक्रमों के लिए लेखन: समाचार बुलेटिन, वार्ता, एंकरिंग
- मनोरंजन कार्यक्रम की विधाएँ : लघु नाटिका, फिल्म, ,नाटक, प्रहसन, डाक्यूमेंट्री

- विशिष्ट श्रोता वर्ग कार्यक्रम: स्त्री, बाल, युवा, बुजुर्ग, सैनिक, किसान, ग्रामीण, शहरी, आदिवासी और दिव्यांग

3. रेडियो कार्यक्रम तकनीक एवं संपादन 10 घंटे

- रेडियो केंद्र का ढांचा, संगठन और कार्यप्रणाली
- रेडियो स्टूडियो के विभिन्न उपकरण : रिकॉर्डर, हेडफोन,कंसोल, माइक्रोफोन, ऑन एयर लाइट, ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर
- रेडियो जॉकी : भूमिका और दायित्व

4. रेडियो प्रबंधन 15 घंटे

- आकाशवाणी, एफ.एम. और सामुदायिक रेडियो का प्रबंधन
- रेडियो कार्यक्रम: विपणन और वितरण
- आकाशवाणी की रेडियो प्रसारण संबंधी आचार संहिता

व्यावहारिक कार्य 30 घंटे

- रेडियो पर प्रसारित सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समीक्षा करना।
- रेडियो के लिए किसी समाचारपरक, वार्तापरक, और मनोरंजन परक कार्यक्रम की स्क्रिप्ट तैयार करना।
- रेडियो के लिए 5 मिनट का साक्षात्कार तैयार करना।
- रेडियो के लिए 5 मिनट का समाचार बुलेटिन और न्यूजरील तैयार करना।
- किसी समसामयिक मुद्दे पर 5 मिनट का पॉडकास्ट तैयार करना।

Essential/recommended readings

1. अंडरस्टैंडिंग रेडियो: एंड्रयू क्रिसेल, क्रिसेल टेलर एंड ग्रुप पब्लिकेशन
2. रेडियो और दूर-दर्शन पत्रकारिता, डॉ हरिमोहन, तक्षशिला, नई दिल्ली
3. ब्रॉडकास्टिंग इन इंडिया : जी.सी.अवस्थी, एलाइड पब्लिकेशन
4. रेडियो लेखन: मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
5. रेडियो जॉकीईंग की कला, डॉ हरिमोहन, तक्षशिला, दिल्ली
6. इंडिया ब्रॉडकास्टिंग: एच.के लूथरा, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
7. ब्रॉडकास्टिंग एंड द पीपुल्स: मेहरा मसानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली

क्षेत्रीय पत्रकारिता DSE 1- (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 1 **क्षेत्रीय पत्रकारिता**	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. क्षेत्रीय पत्रकारिता के स्वरूप को समझाना।
2. संस्कृति-विकास और स्थानीय महत्त्व की दृष्टि से क्षेत्रीय पत्रकारिता की उपयोगिता से अवगत कराना।
3. लोक कला, लोक साहित्य, लोक संगीत के विकास में क्षेत्रीय पत्रकारिता की भूमिका पर विचार करना।

Course Learning Outcomes

1. समाज और संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में क्षेत्रीय पत्रकारिता के विविध रूपों की जानकारी हासिल कर पाएंगे।
2. स्थानीय भाषाओं के महत्त्व एवं उसके योगदान से अवगत होंगे।
3. क्षेत्रीय पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं से परिचित होंगे।

1. क्षेत्रीय पत्रकारिता : सामान्य परिचय **10 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्रकारिता – अर्थ स्वरूप एवं प्रकृति
- स्वाधीनता संग्राम में क्षेत्रीय पत्रकारिता का योगदान
- मुख्यधारा की मीडिया और क्षेत्रीय पत्रकारिता में अंतर

2. क्षेत्रीय पत्रकारिता : सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव **10 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्रकारिता का प्रबंधन और बाज़ार, सामग्री संकलन
- सामाजिक परिवर्तन और लोक संस्कृति पर क्षेत्रीय पत्रकारिता का प्रभाव

- क्षेत्रीय पत्रकारिता की भाषा शैली

3. क्षेत्रीय पत्रकारिता की अंतर्वस्तु **10 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्र-पत्रिकाओं में स्थानीय समाचार, जनसरोकार संबंधी मुद्दों की प्रस्तुति
- आकाशवाणी – दूरदर्शन में क्षेत्रीय कार्यक्रमों की प्रस्तुति के विविध आयाम
- ऑनलाइन क्षेत्रीय पत्रकारिता और क्षेत्रीय मुद्दे

4. क्षेत्रीय ग्रामीण पत्रकारिता **15 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्रकारिता में ग्रामीण संदर्भ
- प्रिंट माध्यमों में जनपदीय ब्यूरो-संरचना, संकलन एवं अन्य संदर्भ
- क्षेत्रीय पत्रकार की कार्यप्रणाली और चुनौतियाँ

प्रायोगिक कार्य : 30 **घंटे**

- मुख्य-धारा एवं क्षेत्रीय समाचार-पत्र, पत्रिकाओं की विषयवस्तु का तुलनात्मक विश्लेषण
- क्षेत्रीय समाचार पत्र के लिये रिपोर्ट लेखन, फ़ीचर प्रस्तुत करना
- क्षेत्रीय पत्रकारिता की भाषा शैली की समीक्षा करना
- स्थानीय मुद्दों पर आधारित न्यूजलेटर का निर्माण करना

सहायक पुस्तकें :

1. मीडिया में महिलाओं की भूमिका, संगीता अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन
2. बिहार में पत्रकारिता का इतिहास, विजय भास्कर, प्रभात प्रकाशन
3. कृषि पत्रकारिता का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष, राम कृष्ण पराशर, नकुल पराशर, हिंदी माध्यम क्रियान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
4. हिंदी पत्रकारिता शब्द संपदा, बद्रीनाथ आर, राकेश शिवकुमार अवस्थी
5. हिंदी पत्रकारिता और राष्ट्रीय एकता, डॉ हरिमोहन, डॉ जयंत शुक्ल, तक्षशिला प्रकाशन
6. हिंदी के प्रमुख समाचार-पत्र और पत्रिकाएं, अच्युतानंद मिश्र, सामयिक प्रकाशन
7. हिन्दी के प्रमुख क्षेत्रीय समाचार पत्र-पत्रिकाओं और चैनलों पर प्रकाशित-प्रसारित सामग्री

DSE 2 पर्यावरण पत्रकारिता

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2 पर्यावरण पत्रकारिता	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. पर्यावरण के प्रति छात्रों में संवेदनशीलता पैदा करना।
2. पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्रों को जागरूक करना।
3. पर्यावरण संरक्षण के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना।
4. प्रकृति, राष्ट्रीय संसाधनों के प्रति प्रेम एवं सह-अस्तित्व का भाव पैदा करना।

Course Learning Outcomes

1. पर्यावरण के प्रति समझ विकसित होगी।
2. पर्यावरण समस्याओं से छात्र अवगत होंगे।
3. पर्यावरण संरक्षण में मीडिया के प्रयोग को समझ सकेंगे।
4. पर्यावरण समस्याओं को उजागर करने में मीडिया की भूमिका से अवगत होंगे।

1. पर्यावरण जागरूकता और मीडिया 10 घंटे

- पर्यावरण अध्ययन की परिभाषा, क्षेत्र और महत्व
- ग्लोबल और भारतीय मीडिया में पर्यावरण जागरूकता एवं प्रमुख पर्यावरण मुद्दे
- प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में मीडिया की भूमिका

2. पर्यावरण संरक्षण एवं मीडिया 10 घंटे

- राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण आंदोलन और मीडिया
- अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन एवं मीडिया
- वैश्विक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण समझौते

3. पर्यावरण एवं भारतीय मीडिया 10 घंटे

- पर्यावरण से संबंधित भारतीय मीडिया का दृष्टिकोण
- प्रिंट मीडिया में पर्यावरण प्रस्तुति
- टीवी, रेडियो एवं डिजिटल मीडिया में पर्यावरण मुद्दे

4. पर्यावरण चिंताएँ एवं मीडिया 15 घंटे

- प्रमुख पर्यावरण चुनौतियाँ और मुद्दे : जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण, ग्रीन हाउस गैस प्रभाव
- राष्ट्रीय और स्थानीय स्तरों पर जैव विविधता
- पर्यावरण संबंधी सूचना के प्रसार में मीडिया की भूमिका
- विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं के संदर्भ में मीडिया की भूमिका।

प्रायोगिक कार्य 30 घंटे

- विभिन्न पर्यावरणविदों से साक्षात्कार
- जल संकट, वायु प्रदूषण, पर्यावरणीय संकट पर डॉक्यूमेट्री तैयार करना
- पर्यावरणीय संकट पर फ़ीचर, स्लोगन, रिपोर्ट, परिचर्चा
- प्रयावरणीय मुद्दों पर आधारित न्यूज़ लेटर निर्माण करना

सहायक पुस्तकें :

1. भारत में जनसंचार, केवल जे कुमार, जैको पब्लिशिंग हाउस
2. पर्यावरण अध्ययन में परिप्रेक्ष्य, ए. कौशिक और पी.सी. कौशिक, दरियागंज, न्यू एज प्रकाशन, दिल्ली
3. पर्यावरण अध्ययन, डॉ दया शंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पर्यावरण अध्ययन-संकट से इलाज तक, आर राजगोपालन, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली

DSE 3 कम्प्यूटर तकनीक एप्लीकेशन एवं मीडिया (ग)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 3 कम्प्यूटर तकनीक एप्लीकेशन एवं मीडिया	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. कंप्यूटर और इन्टरनेट के स्वरूप, कार्यप्रणाली और उपयोगिता से अवगत कराना।
2. मीडिया में कंप्यूटर और इंटरनेट तकनीक से अवगत कराना।
3. इंटरनेट आधारित संचार के स्वरूप को समझाना।
4. मीडिया के तकनीकी परिदृश्य से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

1. मीडिया में कंप्यूटर और इंटरनेट के प्रयोग को जान पाएँगे।
2. मीडिया में कंप्यूटर और इंटरनेट से परिचित होकर रोजगार की संभावनाओं से परिचित होंगे।
3. कम्प्यूटर और इंटरनेट के विभिन्न अनुप्रयोगों का उपयोग कर सकेंगे।
4. इन्टरनेट आधारित अभिव्यक्ति के नए रूपों के प्रयोग में सक्षम होंगे।

1. कंप्यूटर और इंटरनेट का सामान्य परिचय: 10 घंटे

- सूचना-स्रोत तथा कन्टेन्ट प्रसारक के रूप में मीडिया में इंटरनेट का अनुप्रयोग
- मीडिया के कामकाज में प्रयुक्त प्रमुख सॉफ़्टवेयर : एम एस वर्ड, क्वार्क एक्सप्रेस, इन डिजाइन, कोरल ड्रा, माइक्रोसॉफ़्ट पब्लिशर, फ़ोटोशॉप, केनवा
- कंप्यूटर और मल्टीमीडिया (ग्राफ़िक्स, फोटोग्राफ़, वीडियो तथा ऑडियो)

2. कंप्यूटर, इंटरनेट, तकनीक और मीडिया लेखन 10 घंटे

- सोशल मीडिया लेखन: फेसबुक, इंस्टाग्राम, ब्लॉग लेखन
- ऑडियो रिकॉर्डिंग और संपादन, पॉडकास्ट एप
- वेबसाइट कंटेंट लेखन, संपादन, ले आउट, डिजाइन

3. कंप्यूटर, इंटरनेट और मुद्रित माध्यम 10 घंटे

- मैगजीन एप और पत्रिका निर्माण, न्यूजपेपर एप
- पोस्टर और बैनर एप और निर्माण
- ब्रोशर एप और निर्माण

4. कंप्यूटर इंटरनेट आधारित संचार के नए रूप 15 घंटे

- रील्स, मीम, शार्ट वीडियो, डिजिटल विज्ञापन, वेब सीरीज, स्टीकर, इमोजी
- लाइव स्ट्रीमिंगः कार्यप्रणाली तथा उपलब्ध मंच
- भारत में सूचना प्रौद्योगिकी तथा कॉपीराइट कानून

प्रायोगिक कार्य 30 घंटे

- रील्स, मीम, शार्ट वीडियो, डिजिटल विज्ञापन निर्माण करना
- पोस्टर और बैनर
- ब्रोशर निर्माण

सहायक पुस्तकें :

1. तकनीक तेरे कितने आयाम, बालेन्दु शर्मा दाधीच, प्रभात प्रकाशन
2. मास मीडिया एंड इन्फोमेशन टेक्नोलॉजी, जे के सिंह
3. डिजीटल इंडिया, अजय कुमार, प्रभात प्रकाशन
4. तकनीकी सुलझनें, बालेन्दु शर्मा दाधीच, ई प्रकाशक
5. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र,रविंद्र शुक्ला, राजकमल प्रकाशन
6. दिव्यांगों के लिए तकनीक, बालेन्दु शर्मा दाधीच, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
7. Internet as a Media, Sandeep Banarjee, Kalpaz Publication, 2014
8. Internet and Mass Media, Lucy Kung, Robert G. Pichard, Ruth Towse, Sage Publication, 200

GE (क) राजनीतिक दार्शनिक विचारक एवं मीडिया (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (क) राजनीतिक दार्शनिक विचारक एवं मीडिया	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारत के प्रमुख राजनीतिज्ञों के योगदान की जानकारी प्रदान करना।
- जनसंचार माध्यमों में राजनीतिक-दर्शन और घटनाओं की उपस्थिति से अवगत कराना।
- स्वतंत्रता-पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित राजनीतिक-सांस्कृतिक सामग्री का मूल्यांकन करना।
- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों, पत्रकारों के योगदान का परिचय देना।

Course Learning Outcomes

- भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों की समझ विकसित होगी।
- भारत-निर्माण में मीडिया की भूमिका की जानकारी प्राप्त होगी।
- समय और घटना-विशेष के संदर्भ में पत्र-पत्रिकाओं एवं पत्रकारों का योगदान रेखांकित हो सकेगा।
- भारत-बोध विकसित होगा।

1. राजनीति और मीडिया 10 घंटे

- भारत में राजनीति और मीडिया का अंतःसंबंध : मूल्य, व्यक्ति विशेष और सत्ता समीकरण के रूप में
- प्रमुख राजनीतिक दर्शन और मीडिया : संक्षिप्त परिचय (स्वाधीनता, सर्वोदय, स्वदेशी, अंत्योदय, लोकतंत्र)
- लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया पर प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों के विचार

2. स्वतंत्रता-पूर्व राजनीतिक दर्शन और मीडिया **10 घंटे**

- स्वाधीनता, स्वराज्य का विचार तथा हिंदी पत्रकारिता में उसके स्वरूप का अध्ययन (1857 का स्वाधीनता संघर्ष, बंग-भंग आंदोलन, ख़िलाफ़त आंदोलन तथा पूर्ण स्वराज्य)
- पुनर्जागरण का दर्शन और हिंदी पत्र-पत्रिकाएं (बालाबोधिनी, हिंदी प्रदीप तथा सरस्वती के विशेष संदर्भ में)
- साहित्य, पत्रकारिता तथा फिल्मों में स्वतंत्रता-पूर्व भारत बोध का स्वरूप

3. स्वातंत्र्योत्तर राजनीतिक घटनाक्रम और मीडिया **10 घंटे**

- राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य में मीडिया की भूमिका , क्रांति चेतना और मीडिया
- स्वातंत्र्योत्तर भारत के प्रमुख घटनाक्रम और हिंदी मीडिया : साम्राज्यवाद और सर्वसत्तावाद (विशेष संदर्भ- 1962 का भारत-चीन युद्ध तथा आपातकाल)
- मीडिया पर नव-उदारवादी व्यवस्था का प्रभाव

4. प्रमुख राजनीतिक दार्शनिक **15 घंटे**

- राममोहन राय, भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी
- बाल गंगाधर तिलक, गणेश शंकर विद्यार्थी, महात्मा गांधी
- भीमराव अंबेडकर, दीनदयाल उपाध्याय, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों द्वारा मीडिया पर किए गए विचारों का संकलन और लेखन
- ऊपर वर्णित राजनीतिक दर्शनों के संदर्भ में तत्कालीन पत्र-पत्रिकाओं में छपी सामग्री पर रिपोर्ट लेखन
- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों का मीडियाकर्मी के रूप में दिए गए योगदान पर परियोजना-कार्य
- भारत-बोध में मीडिया के योगदान पर समूह-चर्चा, निबंध लेखन
- प्रमुख राजनीतिक-दार्शनिकों, क्रांतिकारियों द्वारा संपादित पत्र-पत्रिकाओं की तथा उनसे जुड़े स्थानों, स्मारकों और उन पर केंद्रित फिल्मों की सूची का निर्माण

सहायक पुस्तकें :

1. समाज और राजनीति का दार्शनिक अध्ययन, डॉ. ज्ञानंजय द्विवेदी, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
2. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास, डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अंतर्वेद प्रवर गणेश शंकर विद्यार्थी, अमित राजपूत, लोकोदय प्रकाशन
5. राजा राममोहन राय, विजित कुमार दत्त, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
6. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण , रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. पं. दीनदयाल उपाध्याय : कर्तृत्व एवं विचार, डॉ. महेशचंद्र शर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
9. राष्ट्र निर्माताओं की पत्रकारिता, कृपाशंकर चौबे, प्रलेक प्रकाशन, मुंबई
10. पत्रकार डॉ. भीमराव अंबेडकर, सूर्यनारायण रणसुभे, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मूकनायक डॉ. अंबेडकर, संकलन एवं अनुवाद- श्यौराज सिंह बेचैन, गौतम बुक सेंटर
12. लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, रचना भोला 'यामिनी', प्रभात प्रकाशन

GE (ख) मीडिया प्रोडक्शन (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (ख) मीडिया प्रोडक्शन	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- छात्रों को रेडियो, टेलीविजन, प्रिंट के प्रोडक्शन की जानकारी देना।
- मीडिया हाउस की प्रोडक्शन प्रक्रिया से रूबरू कराना।
- रेडियो एवं टेलीविजन की प्रसारण प्रक्रिया की जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

- छात्रों में मीडिया के विविध कार्यक्रम तैयार करने का कौशल विकसित होगा।
- रेडियो एवं टेलीविजन प्रसारण प्रक्रिया को जान पायेंगे।
- मीडिया प्रोडक्शन में तकनीकी महत्व की जानकारी प्राप्त होगी।

1. **प्रिंट प्रोडक्शन** **10 घंटे**

- फ़ॉण्ट, कंप्यूटर टाइपिंग
- एडिटिंग सॉफ्टवेयर : कोरल ड्रा, कंप्यूटर डिजाइनिंग, क्वॉर्क, केनवा, पेज मेकर, इनडिजाइन
- फोटोग्राफी के सिद्धांत, फोटो चयन, कैप्शन लेखन, फ़ोटोशॉप

2. **रेडियो प्रोडक्शन** 10 **घंटे**

- रेडियो स्टूडियो की संरचना, उपकरण एवं प्रमुख रेडियो सॉफ़्टवेयर
- रिकॉर्डिंग और संपादन, एनालॉग ध्वनि, डिजिटल ध्वनि, डबिंग, वॉयस मॉड्यूलेशन
- रेडियो कार्यक्रम निर्माण एवं रेडियो प्रसारण

3. **टेलीविजन एवं वीडियो प्रोडक्शन** **10 घंटे**

- टीवी स्टूडियो संरचना, टीवी प्रसारण तकनीक, दृश्य-श्रव्य सॉफ्टवेर
- वीडियो प्रोडक्शन प्रक्रिया : प्री प्रोडक्शन, प्रोडक्शन, पोस्ट प्रोडक्शन

- कैमरा और प्रकाश व्यवस्था, विभिन्न शॉट्स और उनका कंपोजिशन, प्रकाशीय उपकरण

4. फिल्म और वेब प्रोडक्शन **15 घंटे**

- फिल्म निर्माण प्रकिया, निर्देशन, सिनेमेटोग्राफी, ध्वनि, संगीत, संपादन, कंप्यूटर एवं फ़िल्म प्रोडक्शन
- वेब प्रोडक्शन, वेब पोर्टल की संरचना, वेब पेज निर्माण
- ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म और वेब सीरीज

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- समाचार पत्र पृष्ठ निर्माण करना।
- रेडियो बुलेटिन और पॉडकास्ट तैयार करना।
- वेब पेज निर्माण करना।
- प्रेस रिलीज, समाचार निर्माण, पॉडकास्ट और फोटोग्राफी अभ्यास हेतु कॉलेज कार्यक्रमों की कवरेज करना।

सहायक पुस्तकें :

1. ग्राफिक डिजाइन, नरेंद्र यादव, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
2. ब्रॉडकास्टिंग एंड द पीपुल, मेहरा मसानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
3. रेडियो लेखन, मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
4. रेडियो वार्ता शिल्प, डॉ. सिद्धनाथ कुमार,राधा कृष्ण प्रकाशन
5. वीडियो प्रोडक्शन टेक्नीक, डॉनल्ड एल.डीफेन्बच एण्ड एनी ई.स्लेटन, रूटलेज,ए फोकल प्रेस बुक
6. वेब सीरीज लेखन (हिंदी संस्करण) दिनकर कुमार, किंडल बुक

REGISTRAR